पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने जनपद गोरखपुर में लगभग 1,100 करोड़ रु0 की लागत से पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज़ लि0 के उत्पादन एवं बॉटलिंग प्लाण्ट का भूमिपूजन किया

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जो एम0ओ0यू0 हुए, उसके तहत पहला प्लाण्ट गोरखपुर में स्थापित होने जा रहा, तीन अन्य प्लाण्ट लगेंगे : मुख्यमंत्री

वरुण बेवरेजेज के उ0प्र0 में चार स्थलों पर इस प्रकार के बॉटलिंग प्लाण्ट लगने से जनता को अलग–अलग प्रकार के मधुर पेय उपलब्ध होंगे, लगभग 6,000 नौजवानों को नौकरी तथा 50,000 किसानों को अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा

प्लाण्ट पर पेप्सी के साथ फ्रूट जूस का उत्पादन होगा, जिससे आम, लीची, अमरुद इन सभी फलों की खपत होगी और किसानों को अच्छा मूल्य मिलेगा

इस प्लाण्ट का निर्माण हो जाने के बाद यहां पर अकेले 03 लाख लीटर दूध की आवश्यकता पड़ेगी, जिससे यहां के किसानों को हर सीजन में दूध का अच्छा दाम मिलेगा

किसानों, पशुपालकों, औद्यानिक फसलों से जुड़े कृषकों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने के लिए यहां पर एक प्रयास प्रारम्भ हुआ है

किसानों को उत्पादन के साथ–साथ पैकेजिंग/एक्सपोर्ट के साथ जुड़ना होगा, जिससे किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते

उ0प्र0 बदल गया है, प्रदेश की 25 करोड़ जनता दंगे पर नहीं, अब विकास पर विश्वास करती है

गोरखपुर पूर्वी उ0प्र0 में ओपेन वॉण्ट निकालने का हब बन चुका

प्रदेश सरकार जनपद गोरखपुर में धुरियापार तक लगभग 01 हजार एकड़ भूमि में अलग–अलग उद्योग देने जा रही, गेल के साथ मिलकर विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने जा रही, एक प्लास्टिक पार्क बनाया जाएगा, फ्लैटेड फैक्ट्री लग रही

राज्य सरकार रिकॉर्ड एम0ओ0यू0 तो करती है, साथ ही, उसे धरातल पर भी उतारती है : औद्योगिक विकास मंत्री

लखनऊ : 08 अप्रैल, 2023

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज गीडा, जनपद गोरखपुर में लगभग 1,100 करोड़ रुपये की लागत से पेप्सिको की फ्रेंचाइजी वरुण बेवरेजेज़ लिमिटेड के उत्पादन एवं बॉटलिंग प्लाण्ट का भूमिपूजन किया।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी का फोकस हमेशा किसानों की आमदनी को बढ़ाने के लिए रहता है। केवल गेहूं और चावल पैदा करने से किसान की आमदनी नहीं बढ़ेगी, किसानों को उत्पादन के साथ–साथ पैकेजिंग/एक्सपोर्ट के साथ जुड़ना होगा, जिससे किसान अपनी आमदनी को कई गुना बढ़ा सकते हैं। यहां पर पेप्सी के साथ फ्रूट जूस का उत्पादन भी होगा, जिससे आम, लीची, अमरुद इन सभी फलों की खपत होगी और किसानों को अच्छा मूल्य मिलेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस प्लाण्ट का निर्माण हो जाने के बाद यहां पर अकेले 03 लाख लीटर दूध की आवश्यकता पड़ेगी। इससे यहां के किसानों को हर सीजन में दूध का अच्छा दाम मिलेगा। किसानों, पशुपालकों, औद्यानिक फसलों से जुड़े कृषकों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने के लिए यहां पर एक प्रयास प्रारम्भ हुआ है। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में जो एम0ओ0यू0 हुए हैं, उसके तहत पहला प्लाण्ट गोरखपुर में स्थापित होने जा रहा है। तीन अन्य प्लाण्ट भी लगेंगे। वरुण बेवरेजेज के प्रदेश में चार स्थलों पर इस प्रकार के बॉटलिंग प्लाण्ट लगने से जनता को अलग–अलग प्रकार के मधुर पेय उपलब्ध हो सकेंगे। जब चारों प्लाण्ट स्थापित हो जाएंगे, तो प्रदेश में लगभग 6,000 नौजवानों को नौकरी तथा 50,000 किसानों को अप्रत्यक्ष रूप से जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा।

यह एक निवेश है। पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे से जुडे लिंक एक्सप्रेस–वे के किनारे यह प्लाण्ट लगने जा रहा है। आने वाले समय में जब एक्सप्रेस–वे बनकर तैयार होगा, तो लोग लखनऊ की दूरी मात्र सवा 03 घण्टे तथा वाराणसी की दूरी मात्र 02 घण्टे में पूरी कर सकेंगे। वरुण बेवरेजेज़ को अपना कोई भी प्रोडक्ट उत्तर प्रदेश में कहीं भी पहुंचाना होगा, तो बेहतरीन सड़क कनेक्टिविटी मिलेगी। कार्गो/ट्रेन की भी सुविधा उपलब्ध हो जाएगी और वाराणसी से वॉटर–वे की भी उपलब्धता हो जाएगी। पूर्वी बंदरगाह से जुड़ने पर गोरखपुर में बना प्रोडक्ट देश और दुनिया के कोने–कोने तक पहुंचेगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस उत्पादन और बॉटलिंग प्लाण्ट से लगभग 1,100 करोड़ रुपए के निवेश का उद्योग स्थापित होगा। साथ ही, 1500 नौजवानों को नौकरी

तथा 10 हजार किसानों, पशुपालकों को उद्योग के साथ जुड़ने का अवसर प्राप्त होगा। इससे किसानों की आमदनी को कई गुना बढ़ाने में मदद मिलेगी। अधिक से अधिक रोजगार उत्पन्न करना, लोगों के जीवन में परिवर्तन करने के लिए नए–नए तरीकों को आगे बढ़ाना, यही प्रधानमंत्री जी की संकल्पना है। उसी प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के लिए हम लोग आए हैं। उत्तर प्रदेश बदल गया है। प्रदेश की 25 करोड़ जनता दंगे पर नहीं, अब विकास पर विश्वास करती है।

जनपद गोरखपुर में चार विश्वविद्यालय हैं, जिनमें तकनीकी विश्वविद्यालय/ आयुष विश्वविद्यालय, गोरखपुर विश्वविद्यालय और निजी क्षेत्र का एक विश्वविद्यालय सम्मिलित है। बड़ी संख्या में कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज, पॉलीटेक्निक, आई0टी0आई0 हैं। गोरखपुर पूर्वी उत्तर प्रदेश में ओपेन वॉण्ट निकालने का हब बन चुका है। आपको क्या चाहिए और उस प्रकार के स्किल्ड मैनपावर के लिए ट्रेनिंग कार्यक्रम को गीडा के साथ आगे बढ़ाएं तो तमाम उद्योग स्किल्ड मैनपावर का एक माध्यम बनेंगे। जिस समय उद्योग तैयार होगा, उस समय आपके पास मैनपावर भी उपलब्ध होगा और यहां के नौजवानों को कहीं और नहीं जाना पड़ेगा, बल्कि यहीं पर उन्हें रोजगार मिलेगा। इसके अलावा, उद्योगों को भी स्किल्ड मैनपावर मिलने से पहले दिन से ही अच्छा कार्य करने का अवसर प्राप्त होगा।

मुख्यमंत्री जी ने गोरखपुर खाद कारखाने का उदाहरण देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने एक वर्ष पहले 36 वर्षों से बंद खाद कारखाने को शुरू किया। इसमें लगभग 8 से 10 हजार करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। यह कारखाना आज 110 प्रतिशत की क्षमता के साथ चल रहा है। जब उद्योग के साथ स्किल्ड मैनपावर जुड़ता है, तो उसको पहले दिन से ट्रेनिंग अप्रेन्टिसशिप की आवश्यकता नहीं पड़ती है।

प्रदेश के नौजवानों को 02 करोड़ टैबलेट/स्मार्टफोन उपलब्ध कराए जाएंगे। इससे हमारे युवा तकनीकी दृष्टि से सशक्त बनेंगे। यहां से लेकर धुरियापार तक हम लोग लगभग 01 हजार एकड़ भूमि में अलग–अलग उद्योग देने जा रहे हैं। एक प्लास्टिक पार्क भी देने जा रहे है। गेल के साथ मिलकर इस प्रकार के कार्यक्रमों को

आगे बढ़ा रहे हैं। फ्लैटेड फैक्ट्री भी यहां लग रही है। अन्य उद्योगों हेतु लोगों में एक नया उत्साह देखने को मिल रहा है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि अब प्रदेश के सभी जनपदों में निवेश हो रहा है, अच्छा इन्फ्रास्ट्रक्चर बन रहा है। राज्य सरकार पूर्वांचल को जोड़ने हेतु पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे तथा बुन्देलखण्ड क्षेत्र को जोड़ने के लिए बुन्देलखण्ड एक्सप्रेस–वे दे चुकी है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश को मध्य उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल से जोड़ने के लिए गंगा एक्सप्रेस–वे का कार्य चल रहा है। गोरखपुर लिंक एक्सप्रेस–वे का कार्य युद्धस्तर पर चल रहा है। इण्टरस्टेट कनेक्टिविटी 4–लेन की हो रही है। नेपाल, बिहार, झारखण्ड, छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा तथा उत्तराखण्ड आदि के साथ जोड़ने हेतु 4–लेन कनेक्टिविटी हो चुकी है।

इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी' ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के विजन से आज पूर्वांचल औद्योगिक विकास की रोशनी से जगमगा रहा है। मानवीय मूल्यों, जनसेवा और विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता देने वाले मुख्यमंत्री जी ने उन लोगों को करारा जवाब दिया है, जो कहते थे कि यू0पी0 में एम0ओ0यू0 हवा में होता है। हम रिकॉर्ड एम0ओ0यू0 तो करते ही हैं, साथ ही, उसे धरातल पर भी उतारते हैं। मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश अब सर्वोत्तम प्रदेश बनने की ओर अग्रसर है। इस अवसर पर सांसद श्री रवि किशन ने भी सम्बोधित किया।

मुख्यमंत्री जी का स्वागत करते हुए मे0 वरुण बेवरेजेज के चेयरमैन श्री रविकान्त जयपुरिया ने कहा कि गोरखपुर जैसे पवित्र शहर में भूमिपूजन वरुण बेवरेजेज के लिए बड़ा अवसर है। वरुण बेवरेजेज विश्व में पेप्सी के लार्जेस्ट मैन्युफैक्चरर में से एक है। विश्व में इसका दूसरा स्थान है। देश में वरुण बेवरेजेज के 36 प्लाण्ट और उत्तर प्रदेश में 07 प्लाण्ट संचालित हैं। जनपद गोरखपुर में स्थापित हो रहा प्लाण्ट 8वां होगा। एडवांस टेक्नोलॉजी वाले इस सुपर मेगा प्रोजेक्ट में इसी साल से उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा। प्लाण्ट में प्रतिदिन 03 लाख लीटर दूध प्रोसेस कर मिल्क बेस्ड प्रोडक्ट

जैसे–मिल्क पाउडर, मक्खन, देशी घी का भी उत्पादन किया जाएगा। इससे डेयरी और लघु उद्योगों को बढ़ावा मिलेगा।

श्री जयपुरिया ने कहा कि स्थापित किए जा रहे इस प्लाण्ट में पेप्सिको के मल्टीनेशनल ब्राण्ड वाले उत्पाद बनेंगे। यहां कार्बोनेटेड सॉफ्ट ड्रिंक्स, फ्रूट पल्प बेस्ड ड्रिंक्स, मिल्क बेस्ड प्रोडक्ट्स, बेवरेज बेस्ड सिरप का उत्पादन होगा। साथ ही, क्रीम बेल्स ब्राण्ड से आइसक्रीम भी बनेगी। जनपद गोरखपुर के बाद जल्द ही जनपद प्रयागराज, चित्रकूट व अमेठी में प्लाण्ट लगाया जाएगा। मे0 वरुण बेवरेजेज इस क्षेत्र के औद्योगिक विकास में योगदान देने के लिए संकल्पित है।

इस अवसर पर विधान परिषद सदस्य डॉ0 धर्मेन्द्र सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, मुख्यमंत्री जी के सलाहकार श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अवस्थापना एवं औद्योगिक विकास आयुक्त श्री मनोज कुमार सिंह सहित शासन–प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

————————

PN-CM-Varun Beverages Bottling Plant, Gorakhpur-Bhoomi Poojan-08 April, 2023.doc